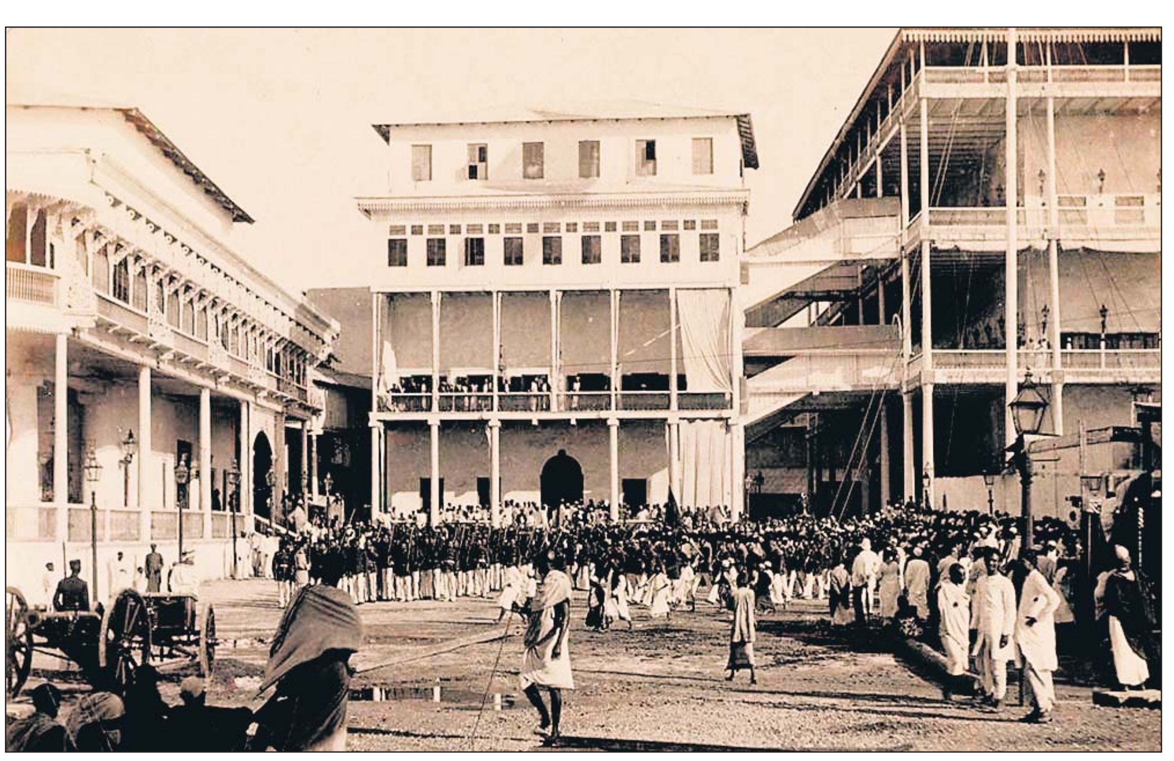

क्या आप जानते हैं इतिहास का सबसे छोटा युद्ध केवल एक घंटे चला था। एंग्लो-ज़ंज़ीबार युद्ध को यह विशेष दर्जा दिया जा सकता है। हुआ यूँ था कि, ज़ंज़ीबार के सुल्तान हमाद बिन थुवैनी की 25 अगस्त 1896 में मृत्यु हो गई। उसके भतीजे, खालिद बिन बरगाश ने अपनी ताकत के बल पर तुरंत सल्तनत को हथिया लिया। पूर्वी अफ्रीका का एक छोटा सा द्वीप ज़ंज़ीबार, जो वर्तमान में तंजानिया का हिस्सा है, कभी एक अलग देश था, जहां अंग्रेजों का संरक्षण का शासन था। हालांकि सुल्तान हमाद पूरी तरह से अंग्रेजों के काबू में था पर फिर भी उसने शाही तख्त के प्रति वफादार, एक हज़ार सैनिकों की सेना बनाई हुई थी। उसकी मृत्यु के बाद जब खालिद बिन बरगाश सुल्तान बना तो उसने इस मिलिटरी फोर्स का उपयोग अपने लाभ के लिए करना शुरु कर दिया। ज़ंज़ीबार के फलते-फूलते लौंग उद्योग के कारण अंग्रेजों की ज़ंज़ीबार में गहरी दिलचस्पी थी। लेकिन जब सुल्तान के भतीजे ने यह जता दिया कि वह काबू में आने वाला नहीं है तो अंग्रेज नाराज हो गए। जिस दिन युद्ध हुआ, सुबह 8 बजे चीफ डिप्लोमैट बासिल केव ने खालिद को चेतावनी दी और आत्मसमर्पण करने को कहा। लेकिन, खालिद ने महल नहीं छोड़ा, उसी समय बासिल केव ने फॉरेन ऑफिस को तार भेजा कि ''अगर शांति के सभी प्रयास विफल हो जाएं तो क्या हम महल पर बमबारी कर सकते हैं।'' जवाब ''हाँ'' में मिलते ही ब्रिटिश सैनिक युद्ध पोतों में सवार होकर ज़ंज़ीबार पहुंच गए। खालिद को अगले दिन एक और चेतावनी दी गई। पर खालिद ने कहा ''हम अपना झण्डा नहीं उतारेंगे हम नहीं मानते कि आप हम पर फायर करेंगे।'' ज़ंजीबार की सेना भी हथियारों के साथ तैयार थी। खालिद की बागी टिप्पणी ने अन्ततः युद्ध घोषित करवा दिया। भारी बमबारी हुई। ज़ंज़ीबार की सेना ब्रिटेन की सेना की तुलना में काफी छोटी थी और 30 से 45 मिनट में ही शाही नौका डूब गई तथा 500 सैनिक और नागरिक मारे गए। इस पूरी कवायद में सिर्फ एक ब्रिटिश अफसर को चोट आई। चूंकि एकमात्र क्लॉक टावर बमबारी में गिर गया था, इसलिए सही समय की जानकारी तो नहीं है, पर यह ज्ञात है कि युद्ध एक घंटे भी नहीं चला। खालिद बच निकला और उसने समीपवर्ती जर्मन कॉन्सलेट में शरण ले ली। सन् 1960 के बाद यह क्षेत्र तंजानिया को मिल गया।

जालोर जिले के आहोर थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे में कार में सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत

सभी युवक रात्रि को करीब बारह बजे कार में सवार होकर तखतगढ़ से चरली आ रहे थे, उस दौरान उम्मेदपुर के पास सड़क पर खड़े पत्थर से लदे ट्रक से उनकी जबरदस्त भिड़ंत हो गई

आहोर, 28 जून (निसं)। जालोर जिले के आहोर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 325 पर उम्मेदपुर के पास सोमवार की रात हुउ भीषण सड़क हादसे में कार में सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर आहोर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी शवों को आहोर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। इस हादसे के विरोध में ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग भी जाम किया।

जानकारी के अनुसार चरली निवासी दिनेश कुमार पुत्र परसुराम प्रजापत, रामलाल पुत्र जेठाराम प्रजापत, कमलेश पुत्र चंपालाल प्रजापत, छगनलाल पुत्र जगदीश प्रजापत और मानाराम पुत्र शांतिलाल हीरागर ये सभी युवक रात्रि को करीब बारह बजे कार में सवार होकर तखतगढ़ से चरली आ रहे थे,उस दरम्यान उम्मेदपुर के पास सड़क पर खड़े पत्थर से लदे ट्रक से उनकी जबरदस्त भिडंत हो गई। कार ट्रक के पिछले हिस्से में फंस गई। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार होने की नीयत से ट्रक को भगाने लगा। चालक ट्रक में फंसी कार को काफी दूरी तक घसीटकर ले आया। यह नजारा देखकर दूसरे वाहन वालों ने ट्रक को रूकवाया। बाद में देखा तो कार में सवार सभी युवकों की मौत हो चुकी थी।

■ हादसे के बाद ट्रक चालक फरार होने की नीयत से ट्रक को भगाने लगा और ट्रक में फंसी कार को काफी दूरी तक घसीटकर ले गया। यह नजारा देखकर दूसरे वाहन वालों ने ट्रक को रूकवाया। बाद में देखा तो कार में सवार सभी युवकों की मौत हो चुकी थी।

सूचना पर आहोर थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और ट्रक में फंसी कार को कडी मशक्कत के बाद अलग किया और शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने बाद में सभी शवों को आहोर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

हादसे की जानकारी मिलने पर कलैक्टर निशांत जैन, एसपी हर्षवर्धन अग्रवाल भी आहोर पहुंचे और दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। सड़क हादसे में एक साथ पांच युवकों की मौत की खबर सुनकर चरली गांव में शोक की लहर फैल गई। ग्रामीणों को जब यह पता चला कि चालक की लापरवाही से ये सारे युवक काल के ग्रास बने हैं, तो उनमें आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण आहोर थाने के सामने व चरली बस स्टैंड पर एकत्रित हो कर विरोध प्रदर्शन करने लग गए। इस बीच चरली सरपंच डॉ दिनेश मेघवाल, जिला परिषद सदस्य मांगीलाल प्रजापत व ग्रामीण आहोर पुलिस से मिलने थाने पहुंचे और ट्रक चालक पर लापरवाही का आरोप लगाया। समय बीतने के साथ ग्रामीणों का गुस्सा भी बढ़ने लगा। आक्रोशित ग्रामीणों ने चरली बस स्टैंड पर धरना देकर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे विधायक छगनसिंह राजपुरोहित,डीएसपी हिम्मत सिंह चारण, तहसीलदार हितेष त्रिवेदी, थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह ने समझाइश कर जाम को खुलवाया। इसके बाद ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल और आहोर थाने में मौजूद एएसपी अनुकृति उज्जेनिया, एसडीएम विवेक व्यास, विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, कांग्रेस नेता सवाराम पटेल व आहोर सरपंच सुरजाराम प्रजापत के बीच वार्ता हुई।

ग्रामीणों की मांग थी कि आरोपी ट्रक चालक व मालिक पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक मदद देवें। लेकिन यह मांग पूरी नहीं हो पाई। प्रशासन व पुलिस ने कहा कि सरकार की ओर से जो भी मदद दी जा रही है उस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। आखिरकार दोपहर बाद परिजन व ग्रामीण पोस्टमार्टम के लिए सहमत हुए। पुलिस ने पोस्टमार्टम बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं। थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह ने बताया कि ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है, और ट्रक भी जब्त कर लिया गया है।

प्रोटोकॉल तोड़कर यू.ए.ई. के राष्ट्रपति खुद प्रधानमंत्री मोदी को लेने एयरपोर्ट पहुंचे

इससे एक दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने दौड़कर प्रधानमंत्री मोदी के पास आकर हाथ मिलाया था

रियाद, 28 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेशों में लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। एक दिन पहले ही जी7 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रधानमंत्री मोदी से मिलने को बेचैन दिखे थे। अब संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति ने पी.एम. मोदी के अबू धाबी पहुंचने पर प्रोटोकॉल तोड़ते हुए एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया है। दोनों नेता एयरपोर्ट पर एक दूसरे से गले मिलकर खुशामदीद करते नजर आए। ये दोनों घटनाएं बताती हैं कि पी.एम. मोदी की छवि वैश्विक नेता के तौर पर लगातार मजबूत होती जा रही है। बड़ी बात यह है कि दो महीने पहले ही पाकिस्तान के नए नवेले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी यू.ए.ई. पहुंचे थे, लेकिन उनको एयरपोर्ट पर रिसीव करने के लिए यू.ए.ई. सरकार ने बस एक मंत्री को ही भेजा था।

■ ये दोनों ही घटनायें बताती हैं कि, अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी और देश का कद कितना बढ़ गया है।

प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक छवि उनके हर विदेश दौरे में नजर आती है। जर्मनी में जी-7 की बैठक से इतर पी.एम. मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ चाय पर चर्चा की। इस अनौपचारिक बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों को मजबूत बनाने और कई मोर्चों पर एक साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो से भी मुलाकात की।

एक दिन पहले ही जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान जब सभी नेता ग्रुप फोटो के लिए इकट्ठा हो रहे थे, उस दौरान जो बाइडेन की हरकत ने सबका ध्यान खींच लिया। उस समय पी.एम. मोदी कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बात कर रहे थे। इतने में ही अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन काफी दूर से कई नेताओं को पीछे छोड़ते हुए पीएम मोदी की तरफ बढ़े और पीछे से उनके कंधे पर हाथ रख अपनी मौजूदगी जताई। पी.एम. मोदी ने बाइडेन को देख उनके हाथ मिलाया और दोनों नेताओं ने एक दूसरे का अभिवादन किया।

प्री-प्राइमेरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ शपथ पत्र पेश करने का आदेश दिया है।

न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ में स्माइल फॉर आल सोसायटी और अभ्यूथानम सोसायटी की जनहित याचिकाओं सुनवाई हुई। स्माइल फॉर आल सोसाइटी की ओर से अधिवक्ता विकास जाखड़ ने कहा कि प्रथम कक्षा से प्रवेश दिए जाने से गरीब व वंचित वर्ग के बच्चे निजी स्कूल में पहले से अध्ययनरत बच्चों से पिछड़ जाते हैं। ऐसे में प्रवेश प्री-प्राइमरी कक्षाओं से ही दिलाया जाए। आरटीई कानून के तहत प्री प्राइमरी कक्षाओं में प्रवेश दिया जाता रहा है। लेकिन राज्य सरकार ने नियमों की मनमानी व्याख्या करते हुए 2019-20 सत्र से आरटीई के तहत प्रथम कक्षा से प्रवेश देने का फैसला किया। इससे गरीब बच्चों का प्रवेश बाधित हुआ है, जो कानून की मूल भावना के खिलाफ है। कोर्ट ने 23 अक्टूबर 2021 को बच्चों को प्री-प्राइमरी कक्षाओं में प्रवेश का अंतरिम आदेश दिया, लेकिन इसकी पालना नहीं की गई।

शिंदे ग्रुप क्या राज ठाकरे की पार्टी में विलय हो सकता है

इसमें केवल एक बड़ी हिचकिचाहट इस बात के कारण है कि, विलय के बाद राज ठाकरे इस ''ग्रुप'' का नेता होने का दावा करेंगे, यह स्थिति एकनाथ शिंदे को मंजूर नहीं होगी

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 28 जून। शिवसेना का एकनाथ गुट जिन विकल्पों पर विचार कर रहा है, उनमें एक यह भी है कि शिन्दे गुट का विलय राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एम.एन.एस.) में कर दिया जाये।

संविधान की दसवीं अनुसूची में 2003 में किया गया संशोधन, जिसे आम भाषा में दल-बदल-विरोधी कानून कहा जाता है, किसी पार्टी से अलग हुये गुट के विधानसभा में एक पृथक रूप में आने का निषेध करता है। डिस्क्वालिफिकेशन से बचने के लिये ऐसे ग्रुप को किसी अन्य राजनैतिक दल में विलीन हो जाना चाहिये।

जहाँ सर्वोच्च न्यायालय ने शिन्दे ग्रुप को यह कहकर मोहलत दे दी है कि वह महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर द्वारा भेजे गये डिस्क्वालि-फिकेशन नोटिसों का जवाब 12 जुलाई तक दे सकता है, वहीं, विद्रोही गुट की यह दुविधा बरकरार है कि, वह शिवसेना की अपनी पहचान को छोड़ना नहीं चाहता।

ग्रुप का भाजपा में विलय एक विकल्प हो सकता है, लेकिन इस गुट के बहुत सारे सदस्य इस बात से आशंकित हैं कि ऐसा होने से, वे राष्ट्रीय पार्टी, भाजपा के दबदबे के नीचे आ जायेंगे।

एम.एन.एस. के साथ विलय होना भी एक आसान विकल्प नहीं है, क्योंकि इस स्थिति में, इस ग्रुप के नेता राज ठाकरे माने जायेंगे, शिन्दे नहीं। शिन्दे गुट के समक्ष तीसरा विकल्प है- प्रहार जनशक्ति पार्टी (पी.जे.पी.) में विलय होना, जिसके महाराष्ट्र विधानसभा में केवल दो विधायक हैं। इस पार्टी के नेता तथा वर्तमान विधायक ओमप्रकाश बाबाराव बच्चू काडू शिन्दे गुट को समर्थन दे ही चुके हैं तथा शिन्दे गुट के साथ, गुवाहाटी में डेरा डाले हुये हैं।

तथापि, शिन्दे गुट को यह कोई आकर्षक विकल्प नहीं लग रहा, क्योंकि पी.जे.पी. एक छोटी सी पार्टी है तथा उसका मुख्य जोर किसानों के अधिकारों पर ही है। एम.एन.एस. में विलय होना शिन्दे गुट के लिये एक ज्यादा मजबूत संभावना है क्योंकि राज ठाकरे पूरे महाराष्ट्र में एक जाना-पहचाना चेहरा हैं तथा उन्हें बाल ठाकरे की विरासत का लाभ भी मिला हुआ है। इस विलय से एम.एन.एस. को ज्यादा लाभ है, जिसका इस समय विधानसभा में केवल एक ही विधायक है। पिछले कुछ समय से राज ठाकरे एम.वी.ए. सरकार पर प्रहार भी करते आ रहे हैं और ऊपरी तौर पर भाजपा के प्रति कुछ नरम भी हो गये थे। पिछले अप्रैल में, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योदि आदित्यनाथ की नीतियों का गुणगान भी किया था।

मई में उन्होंने प्रधानमंत्री की ''नई कश्मीर'' नीति के लिये, उनकी भी सराहना की थी।

मुंबई में 4 मंजिला इमारत ढही

मुंबई, 28 जून। मुंबई के कुर्ला पूर्व के नाइक नगर में सोमवार देर रात एक चार मंजिला इमारत ढह गई। बी.एम.सी. के अनुसार, मलबे के नीचे से 12 लोग बचाए गए हैं और अब तक 17 लोगों की मौत हो गई है। अभी कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। बचाव अभियान जारी है। वहीं मौके पर पहुंचीं बी.एम.सी. की अतिरिक्त आयुक्त अश्विनी भिड़े ने कहा कि इमारत जर्जर हो चुकी है और 2013 से पहले मरम्मत और फिर इमारत को गिराने के लिए नोटिस दिए गए थे।

■ इस हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई।

महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने कुर्ला भवन ढहने की साइट का दौरा किया।

दो एडीजी, डीआईजी व आरएससी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को अपने अपने इलाकों में गश्त बढ़ाए जाने, फोर्स की संख्या बढ़ाने और ज्यादा से ज्यादा संख्या में पुलिसकर्मियों को फील्ड में उतारने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट पर भी पैनी नजर रखने का आदेश दिया है। मुख्यालय ने किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए तत्काल सख्त कदम उठाने की हिदायत दी है। साथ ही सभी सूचनाएं तत्काल मुख्यालय में रिपोर्ट करने को कहा गया है।

पुलिस मुख्यालय से जिले में तैनात पुलिस अधिकारियों को सभ्रांत और अच्छे लोगों से संपर्क में रहकर लोगों से अपील करने के लिए कहा गया है कि वे उत्तेजित ना हो।

उधर इस मामले को लेकर मुख्य सचिव उषा शर्मा ने मंगलवार शाम उच्च स्तरीय बैठक लेकर सभी संभागीय आयुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों एवं जिला कलेक्टरों को प्रदेशभर में विशेष सतर्कता और चौकसी बरतने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने कानून-व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से प्रदेशभर में आगामी 24 घण्टे के लिए इंटरनेट बंद किये जाने, सभी जिलों में आगामी एक माह तक धारा 144 लागू कर चार पुलिस व प्रशासन के सभी अधिकारियों के अवकाश निरस्त करने, शांति समिति की बैठकें आयोजित करने और उदयपुर जिले में आवश्यकतानुसार कर्फ्यू लगाये जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी प्रभारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों को रेंज में भेजने के निर्देश दिये है।

मुख्य सचिव ने सभी संभागीय आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि उदयपुर की घटना के वीडियो के मोबाइल व अन्य माध्यमों से प्रसार पर सख्ती से रोक लगाई जाए। साथ ही वीडियो को प्रसारित करने वाले लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि धर्म गुरूओं से अपील की जाए कि वे साम्प्रदायिक सौहार्द एवं शान्ति बनाये रखने में सहयोग करें। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह अभय कुमार ने कहा कि सभी जिलों में पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ स्थिति पर नजर रखी जाए। पुलिस एवं प्रशासन के सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

दुष्कर्म...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कराया। अभियोजन पक्ष की ओर से कहा गया कि घर से जाने के बाद से लेकर वापस आने के बीच अभियुक्त ने कई बार पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

मुंबई तट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलावा एक अन्य यात्री व दो पायलट सवार थे। हेलीकॉप्टर मुंबई तट से करीब 50 नॉटिकल मील दूर अरब सागर में गिर गया। हालांकि हेलीकॉप्टर में लगे फ्लोटर्स के चलते यह समुद्र की सतह पर तैरता रहा। हेलिकॉप्टर में दो पायलट के अलावा छह ओ.एन.जी.सी. कर्मी सवार थे और एक कंपनी के लिए काम करने वाला ठेकेदार था। फिलहाल जिन परिस्थितियों के कारण आपात कालीन लैंडिंग हुई, वे अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। ओ.एन.जी.सी. के अरब सागर में कई रिग और प्रतिष्ठान हैं जिनका उपयोग समुद्र तल के नीचे स्थित जलाशयों से तेल और गैस का उत्पादन करने के लिए किया जाता है।

पी.सी.आई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिरासत में भेज दिया।

पी.सी.आई. ने कहा कि, यह फैक्ट चैकिंग साइट ''ऑल्ट न्यूज़'' भ्रामक जानकारियों के जंगल को साफ करने के एक साधन के रूप में काम कर रही थी, जो मनगढ़ंत खबरों द्वारा फैलाया जाता है तथा समाज में दरारें पैदा करता हैं।

पी.सी.आई. ने कहा, ''दुनिया के इस गुंजायमान, वैविध्यपूर्ण तथा विशालतम लोकतन्त्र के बने रहने के लिये सतत निगरानी की कीमत चुकाई जा रही है तथा ''ऑल्ट न्यूज़'' इस भूमिका को पूरा करने में लगी हुई है।

क्या अमेरिका में संसद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खेल के मैदान में प्रार्थना की अगुवाई करने का अधिकार रखता है और टैक्सपेयर्स के धन का इस्तेमाल धार्मिक स्कूलों के संचालन के लिए किया जा सकता है।

वह देश जो अन्य सभी देशों में धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के अपने विचार पर दृढ़ रहता आया है, अब एक धार्मिक कट्टरता आधारित राजनीति पर सहमत होता जा रहा है।

इस निर्णय के निहितार्थ अमेरिका के चरित्र को परिवर्तित करते हैं। यह निर्णय चर्च और राष्ट्र के बीच एक निर्विवाद विभाजन को कमजोर करता है।

इस फैसले के विविध परिणाम होंगे। इसके आधार पर लोग धार्मिक स्कूल खोल सकेंगे, जिन्हें जनता के धन से फण्डिंग प्राप्त होगी।

महत्वपूर्ण यह है कि यह आदेश उन्हीं छह रिपब्लिकन जजों ने दिया है जिन्होंने कहा था कि, महिलाओं को अपरिहार्य गर्भ को समाप्त करने का कोई अधिकार नहीं है।

अलोकप्रिय रो बनाम वेड केस में दिए गए आदेश के बाद अमेरिका में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे।

महिलाधिकार ग्रुपों ने सर्वोच्च न्यायालय के विचार की आलोचना की है तथा महिलाओं के लिये गर्भपात के अधिकार की वापसी की माँग की है। पहले के एक फैसले में महिलाओं को ये अधिकार दिए थे कि वो अपना गर्भ कायम रखने के बारे में निर्णय ले सके।

सामाजिक क्षेत्र इस बात को लेकर चिंतित हैं कि समलैंगिक विवाह से संबंधित कानूनी अधिकारों से लेकर किन्नरों से संबंधित कानूनों तक, सभी पर पुनर्विचार किया जा सकता है।

लैंगिक स्वतन्त्रता पर दिये गये फैसले अमेरिकन न्यायशास्त्र के एक स्तम्भ ''लॉ बाय प्रेसिडैंस'' को भी ध्वस्त करते हैं। ब्रिटिश न्यायशास्त्र द्वारा स्वीकृत, आम कानूनी कवायदों में, कोई पूर्ववर्ती न्यायिक मान्यता, किसी विषय पर कानून के अंश की तरह ही अच्छी एवं सही मानी जाती है।

पुरानी मिसालों को उलट देना तथा नये नैतिक कानूनों को स्थापित किये जाने का, अमेरिका की विधायिकाओं के निर्वाचित सदस्यों ने विरोध किया है। उन्होंने इन विवादास्पद विषयों पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों की ''वैधता'' एवं औचित्य पर प्रश्न खड़े किये है।

सर्वोच्च न्यायालय के रूढ़िवादी तत्वों की ओर से व्यक्तिगत स्वतन्त्रता पर होने वाले हमले शासन तन्त्र की दो शाखाओं, निर्वाचित सांसदों तथा जजों के बीच टकराव के लिये मंच तैयार होने की सम्भावना दिखाई दे रही है।

उद्धव के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की योजना बनाई जा सके।

सूत्रों ने कहा कि, आगे की योजना बनाने वाले, शिन्दे के प्रति सभी 40 विधायकों की निष्ठा को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं तथा इसीलिये यह आवश्यक है कि आगे कोई भी ठोस कदम उठाने से पहले, सभी बचाव के रास्त अच्छी तरह सील कर दिये जायें।

इससे पूर्व, विद्रोही विधायकों से की गई अपील में उद्धव ठाकरे ने कहा: ''किसी के गलत कदमों के शिकार नहीं बनें, अर्थात् किस के बहकावे में नहीं आयें। जो सम्मान आपको शिवसेना ने दिया है, वह आपको कहीं नहीं मिलेगा। अगर आप आगे आकर बात करेंगे तो हम सारे मुद्दों का समाधान निकालेंगे। शिवसेना प्रमुख तथा परिवार के मुखिया के रूप में, मैं अब भी आपके लिये चिन्ताग्रस्त हूँ। बातचीत के लिये यहाँ पधारिये।''

इस बीच, शिन्दे ने कहा है कि, वे शीघ्र ही मुम्बई लौटेंगे तथा उनका गुट ''बाला साहब की शिवसेना को आगे ले जा रहा है।'' उन्होंने आगे कहा, विधायकों के शिवसेना नेताओं के साथ सम्पर्क में होने को लेकर, गलत सूचनाएं एवं जानकारियाँ जनता में फैलाई जा रही हैं। शिन्दे का यह बयान उस समय आया, जब शिवसेना सांसद ने यह दावा किया कि पार्टी कुछ विधायकों की वापसी को लेकर आशान्वित है, जिन्हें पार्टी विद्रोही नहीं मानती क्योंकि वो लोग अब भी उनके सम्पर्क में हैं।

शिन्दे ने कहा, ''किसी के मन में सन्देह पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है।.........हमारे पास जो 50 लोग (विधायक) हैं, वे स्वेच्छा से आये हैं तथा (हमारे साथ) प्रसन्न हैं हम यहाँ एक भूमिका, एक विचार लेकर आये हैं। हम केवल यहाँ अपने स्वार्थ के लिए नहीं आये, ये लोग यहाँ हिन्दुत्व और बाल साहेब की विचारधारा के साथ आये''

शिवसेना सांसद संजय राउत, जिन्हें एक मनी लॉन्डरिंग केस के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय ने तलब किया था, ने एजेंसी के समक्ष उपस्थित होने के लिये मंगलवार को कुछ और मोहलत माँगी। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुये, राउत ने कहा कि, एम.वी.ए.सरकार में खुलकर सामने आये संकट में महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता देवेन्द्र फड़नविस को शामिल नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा, ''अगर वे ऐसा करते हैं तो उनकी पार्टी, फड़नविस तथा प्रधानमंत्री मोदी के नामों पर धब्बा लग जायेगा।

मीडिया ने बताया कि इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यंमंत्री ने अपरान्ह में मंन्त्रिमंडल की एक बैठक बुलाई, जिसमें वे वर्चुअली शामिल हुये। सोमवार को, मुख्यमंत्री ने असम के गुवाहाटी नगर में डेरा डाले हुये विद्रोही मंन्त्रियों के विभाग उनसे वापस लेकर मन्त्रिमंडल के अन्य साथियों को आवंटित कर दिये।

ई.डी. के अधिकारियों ने मंगलवार को शिवसेना सांसद संजय राउत को नए समन जारी करके, 1 जुलाई को हाजिर होने के लिये कहा।

दूसरी तरफ, आर.एस.एस. और भाजपा नेताओं द्वारा उद्धव ठाकरे की लोकप्रिय छवि को घूमिल करने के प्रयास जारी रहे। ये नेता ना केवल अफवाहें फैला रहे थे, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहे थे कि मराठी मीडिया भी इन्हें प्रसारित और प्रकाशित करे। अब यह कहा जा रहा है कि, बाला साहेब ठाकरे के पुत्र में खुद की बुद्धि नहीं है और वे एन.सी.पी. के चतुर एवं चालाक नेता शरद पवार की सलाह पर अपनी चाले चल रहे हैं। मराठी मीडिया में ऐसे मत और लेख प्रकाशित किए जा रहे हैं कि, ठाकरे ने पवार की सलाह पर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा ना देकर शिव सेना को मुश्किल स्थिति में खड़ा कर दिया है।

आर.एस.एस के एक नेता ने कहा कि, जब यह स्पष्ट हो गया था कि बाजी हाथ से निकल चुकी है, उद्धव ठाकरे ने उसके तुरन्त बाद इस्तीफा देने का मन बना लिया था, किन्तु पवार ने उन्हें डटकर मुकाबला करने को राजी किया, '' जिसके कारण, जैसा कि कई नेता कहते है, उन्होंने ''उच्च नैतिक आधार'' खो दिया।

20 जून को जैसे ही खबर आई कि शिवसेना के भीतर विद्रोही हो गया है, तथा यह जानने के बाद कि आघात कितना गहरा है, ठाकरे ने अपने अधिकारिक आवास ''वर्षा'' पर देर रात्रि एक मीटिंग ली। अगले दिन, उन्होंने फिर मीटिंग बुलाई, जिसमें सभी निर्वाचित सदस्यों से उपस्थित रहने के लिए कहा गया। जब कम उपस्थिति ने बुरा संकेत दिया, तब कथित रूप से उद्धव ने मान लिया कि खेल खत्म हो चुका है।

सूत्रों ने बताया कि, यही कारण है कि, उन्होंने ''वर्षा'' से सार्वजनिक रूप से अपना सामान खाली कर दिया और अपने पुत्रों, आदित्य व तेजस तथा पत्नी रश्मि के साथ अपने निजी आवास ''मातोश्री'' में चले गए। इन दोनों आवासों के बीच की दूरी को एक विदाई समारोह का रूप दिया गया, जिसमें उनके समर्थक उनकी जयजयकार कर रहे थे और साथ-साथ सुबक रहे थे, एवं ठाकरे परिवार इस समर्थन के लिए लोगों को अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहा था।

उदयपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अतिरिक्त किसी भी स्थान पर असाधारण परिस्थिति में जिला मजिस्ट्रेट, उदयपुर संबंधित उपखण्ड के उपखण्ड मजिस्ट्रेट से इस आदेश में छूट प्राप्त करने के लिये विशेष अनुमति प्राप्त करनी होगी। जिला कलैक्टर ने शहरवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

अमेरिका में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसी ट्रैक्टर-ट्रेलर पर पड़ी थी, जिसके दरवाजे आधे खुले हुए थे और अंदर इंसानों के शव थे।

सेंट एंटोनियो के दमकल विभाग के प्रमुख चार्ल्स हुड ने कहा, 12 वयस्कों और चार बच्चों सहित कुल 16 लोगों को पास के एक चिकित्सा सुविधा केंद्र में इलाज के लिए ले जाया गया है। जितने लोग बचे हुए पाए गए हैं, उनमें ज्यादातर थकावट, बेचैनी और बेहोशी की हालत में मिले।

हुड ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रेलर के अंदर का न तो एयर कंडीशनर काम कर रहा था और न अंदर ठंडे पानी का इंतजाम था। इस बीच, तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है, जिसके बारे में मैकमैनस ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि वे घटना से जुड़े थे या नहीं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908